स्थिति में सुधार होने के संकेत मिलने को देखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने नकदी पर अंकुश लगाने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए सीआरआर में दो चरणों में 75 आधार अंकों की वृद्धि करके इसे 5.75% के स्तर पर लाने की घोषणा की। मुद्रस्फीति बढ़ने की उम्मीदों को कम करने के लिए दिनांक 19 मार्च 2010 को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा रेपो और रिवर्स रेपो दरों में 25 आधार अंकों की वृद्धि करके उन्हें क्रमश: 5% और 3.50% के स्तर पर लाया गया।

वर्ष 2009 की तीसरी और चौथी तिमाहियों में विश्व अर्थव्यवस्था में हुए सुधार से आईएमएफ को वर्ष 2009 में आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट के अनुमान को 1.1% से घटाकर 0.8% करना पड़ा। आईएमएफ द्वारा वर्ष 2010 के लिए वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान को भी संशोधित कर 4.2% से घटाकर 3.9% करना पड़ा। वर्ष 2009-10 में विकसित देश वैश्विक वित्तीय संकट के बाद अपनी अपनी अर्थव्यवस्थाओं को स्थिर करने पर ध्यान केंद्रित करने लगे जबकि भारत सहित उभरते बाजार वाले देश अपनी अपनी अर्थव्यवस्थाओं पर वैश्विक वित्तीय संकट के बुरे असर को कम करने में लग गए थे। वर्ष की दूसरी छमाही में भारत में अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने को देखते हुए नीतिगत उपायों के अंतर्गत संकट से उबरने के स्थान पर सुधारों को संतुलित करने पर जोर दिया गया।

वर्ष 2010-11 के दौरान विकसित देश वित्तीय स्थिति में और सुधार लाने तथा वृद्धि दर बढ़ाने का प्रयास करेंगे जबकि भारत सहित उभरते बाजार वाले देशों का प्रयास रहेगा कि वे कीमतों में स्थिरता लाने के साथ समझौता किए बिना सुधार की प्रक्रिया को जारी रखेंगे।

वित्तीय निष्पादन

लाभ

वर्ष 2008-09 के रु. 17,915.23 करोड़ की तुलना में वर्ष 2009-10 के दौरान बैंक का परिचालन लाभ रु. 18,320.91 करोड़ रहा और इस प्रकार इसमें 2.26 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 2009-10 के दौरान बैंक का निवल लाभ 0.49 प्रतिशत की दर से बढ़कर वर्ष 2008-09 के रु. 9,121.23 करोड़ की तुलना में रु. 9,166.05 करोड़ हो गया।

निवल ब्याज आय में 13.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई और अन्य आय में 17.95 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उच्चतर स्टाफ लागत और अन्य उपरि व्ययों के कारण परिचालन व्ययों में 29.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

लाभांश

बैंक ने लाभांश पिछले वर्ष के रु.29 प्रति शेयर (290 प्रतिशत) से बढ़ाकर रु.30 प्रति शेयर (300 प्रतिशत) कर दिया (इसमें रु.10 प्रति शेयर का पहले से दिया जा चुका अंतरिम लाभांश (100 प्रतिशत) शामिल है)।

निवल ब्याज आय

बैंक की निवल ब्याज आय में 13.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह वर्ष 2008-09 के रु. 20,873.14 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2009-10 में रु. 23,671.44 करोड़ हो गई। ऐसा अग्रिमों एवं निवेशों पर ब्याज-आय में वृद्धि के परिणामस्वरूप हुआ।

वर्ष के दौरान वैश्विक परिचालनों से वर्ष के दौरान सकल ब्याज आय रु. 63,788.43 करोड़ से बढ़कर रु. 70,993.92 करोड़ हो गई। ऐसा मुख्यतया अग्रिमों से उच्च स्तर ब्याज आय होने के कारण हुआ।

भारत में अग्रिमों पर ब्याज आय वर्ष 2009-10 के दौरान बढ़कर रु. 47,633.47 करोड़ हो गई, जबकि वर्ष 2008-09 में यह रु. 42,989.36 करोड़ थी। यह वृद्धि भारत में अग्रिमों पर औसत आय के वर्ष 2008-09 में 10.15% प्रतिशत से गिरकर वर्ष 2009-10 में 9.96% रह जाने के बावजूद हुई। विदेश स्थित कार्यालयों के अग्रिमों से होने वाली ब्याज आय में 12.19 प्रतिशत की कमी आई।

भारत में राजकोषीय परिचालन में नियोजित संसाधनों की आय में 17.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण लगाए गए औसत संसाधनों की मात्रा अधिक होना था। फिर भी औसत आय, जो वर्ष 2008-09 में 7.10% रही थी, वर्ष 2009-10 में घटकर 6.52% रह गई।

वैश्विक परिचालनों का कुल ब्याज व्यय वर्ष 2008-09 में रु. 42,915.29 करोड़ था, जो वर्ष 2009-10 में बढ़कर रु. 47,322.48 करोड़ हो गया। भारत में जमाराशियों पर ब्याज-व्यय में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2009-10 के दौरान 15.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि भारत में जमाराशियों के औसत स्तर में 25.05 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी और जमाराशियों की औसत लागत वर्ष 2008-09 के स्तर 6.30 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2009-10 में 5.80 प्रतिशत रह गई थी।

गैर-ब्याज आय

वर्ष 2009-10 में गैर-ब्याज आय की राशि रु. 14,968.15 करोड़ रही, जबकि वर्ष 2008-09 में यह रु. 12,690.79 करोड़ थी।

वर्ष के दौरान बैंक ने भारत और विदेश में स्थित अपने सहयोगी बैंकों/अनुषंगियों और संयुक्त उद्यमों से लाभांश के रूप में रु. 573.48 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 409.60 करोड़) प्राप्त किए।

control inflation. On 19 March 2010, to curb inflationary expectations, RBI hiked Repo and Reverse Repo rates by 25 bps each to 5% and 3.50% respectively.

Conditions in the global economy improved in the third and fourth quarters of 2009, which prompted the IMF to reduce the projected rate of economic contraction in 2009 from 1.1% to 0.8%. IMF has also revised the projection of global growth for 2010 to 4.2%, up from 3.9%. In 2009-10, while advanced economies were focused on stabilising their economies in the aftermath of the global financial turmoil, emerging market economies (EMEs) including India, were engaged in mitigating the adverse impact of the global financial crisis on their economies. In India, with the economy firmly on the recovery path towards the second half of the year, the policy emphasis shifted from managing the crisis to managing the recovery.

During 2010-11, the efforts in advanced economies will be to further improve the financial conditions and strengthen the growth impulses, while the endeavour in EMEs including India will be to strengthen the recovery process without compromising on price stability.

Financial Performance

Profit

The Operating Profit of the Bank for 2009-10 stood at Rs.18,320.91 crores as compared to Rs.17,915.23 crores in 2008-09 registering a growth of 2.26%. The Bank has posted a Net Profit of Rs.9,166.05 crores for 2009-10 as compared to Rs.9,121.23 crores in 2008-09 registering a moderate growth of 0.49%.

While Net Interest Income recorded a growth of 13.41% and Other Income increased by 17.95%, Operating Expenses increased by 29.84% attributable to higher staff cost and other expenses.

Dividend

The Bank has increased dividend to Rs.30.00 per share (300%) {(inclusive of interim dividend of Rs.10.00 per share (100%) already paid)} from Rs.29.00 per share (290%) in the last year.

Net Interest Income

The Net Interest Income of the Bank registered a growth of 13.41% from Rs.20,873.14 crores in 2008-09 to Rs.23,671.44 crores in 2009-10. This was due to growth in interest income on advances and investments.

The gross interest income from global operations rose from Rs.63,788.43 crores to Rs.70,993.92 crores during the year. This was mainly due to higher interest income on advances.

Interest income on advances in India registered an increase from Rs.42,989.36 crores in 2008-09 to Rs.47,633.47 crores in 2009-10 despite decline in the average yield on advances in India from 10.15% in 2008-09 to 9.66% in 2009-10. Interest income on advances at foreign offices has decreased by 12.19%.

Income from resources deployed in Treasury operations in India increased by 17.85% mainly due to higher average resources deployed. However, the average yield, which was 7.10% in 2008-09, has decreased to 6.52% in 2009-10.

Total interest expenses of global operations increased from Rs.42,915.29 crores in 2008-09 to Rs.47,322.48 crores in 2009-10. Interest expenses on deposits in India during 2009-10 recorded an increase of 15.04% compared to the previous year, whereas the average level of deposits in India grew by 25.05% and the average cost of deposits declined from 6.30% in 2008-09 to 5.80% in 2009-10.

Non-Interest Income

Non-interest income stood at Rs.14,968.15 crores in 2009-10 as against Rs.12,690.79 crores in 2008-09.

During the year, the Bank received an income of Rs.573.48 crores (Rs.409.60 crores in the previous year) by way of dividends from Associate Banks/subsidiaries and joint ventures in India and abroad.

परिचालन व्यय

पेंशन के लिए उच्च प्रावधान करने और स्टाफ संख्या में वृद्धि होने के कारण स्टाफ लागत में 30.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह वर्ष 2009-10 में रु. 12,754.65 करोड़ हो गई, जबकि वर्ष 2008-09 में यह रु. 9,747.31 करोड़ थी। स्टाफ लागत में अतिरिक्त पेंशन प्रावधान एवं वेतन संशोधन प्रावधानों से संबंधित क्रमश: रु. 1,997 करोड़ एवं रु. 2,559 करोड़ की राशि शामिल है, जबकि पिछले वर्षों में यह रु. 1,469 करोड़ एवं रु. 1,414 करोड़ थी।

अन्य उपरि व्ययों में भी 28.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण भाड़े, करों और बिजली, बैंक की संपत्ति पर मूल्यह्रास, कानूनी शुल्क, डाक, तार एवं टेलीफोन, मरम्मत और अनुरक्षण, बीमा और विविध व्ययों में वृद्धि होना था।

परिचालन व्यय जिसमें स्टाफ लागत और अन्य उपरि व्यय शामिल हैं, में पिछले वर्ष की तुलना में 29.84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

प्रावधान और आकस्मिकताएं

वर्ष 2009-10 के दौरान किए गए प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार हैं :

- विनिधानों पर मूल्यह्रास के लिए रु. 987.99 करोड़ का प्रावधान किया गया। इसमें परिपक्वता के लिए रखे गए श्रेणी के प्रीमियम का परिशोधन शामिल नहीं है (2008-09 में विनिधानों पर मूल्यह्रास का प्रावधान रु. 707.17 करोड़ था)।
- रु. 1,407.75 करोड़ के आस्थगित कर जमा को छोड़कर कर प्रावधान के लिए रु. 6,166.62 करोड़ (वर्ष 2008-09 में रु. 1,055.10 करोड़ रुपए के आस्थगित कर जमा को छोड़कर रु. 5,971.52 करोड़ था)।
- रु. 5,147.86 करोड़ (राइट बैक को छोड़कर) अनर्जक आस्तियों के लिए (वर्ष 2008-09 में रु. 2,474.96 करोड़ था)।
- मानक आस्तियों के लिए रु. 80.06 करोड़ (वर्ष 2008-09 में रु. 234.82 करोड़)। वर्तमान वर्ष के प्रावधानों सहित मानक आस्तियों (देशी कार्यालय) पर किए गए कुल प्रावधान की राशि रु. 2,292.72 करोड़ थी।

आरक्षित निधियाँ एवं अधिशेष

- रु. 6,381.09 करोड़ (वर्ष 2008-09 में रु. 5,291.79 करोड़) की राशि सांविधिक आरक्षित निधियों में अंतरित की गई।
- रु. 114.05 करोड़ (वर्ष 2008-09 में रु. 826.55 करोड़) की राशि पूंजी आरक्षित निधि में अंतरित की गई।
- रु. 529.51 करोड़ (वर्ष 2008-09 में रु. 306.89 करोड़) की राशि आरक्षित निधियों में अंतरित की गई।

तालिका: 1 प्रमुख निष्पादन संकेतक

संकेतक	भारतीय स्टेट बैंक		एसबीआई समूह	
	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
औसत आस्तियों पर आय (%)	0.88	1.04	0.88	0.94
ईक्विटी पर आय (%)	14.84	15.07	14.55	16.30
आय की तुलना में व्यय (%)				
(कुल निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय)	52.59	46.62	63.10	52.65
प्रति शेयर मूल अर्जन (रु.)	144.37	144.37	184.82	172.68
प्रति शेयर न्यूनीकृत आय (रु.)	144.37	143.77	184.82	172.68
पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%) (बेसल-I)	12.00	12.97	11.89	12.90
श्रेणी-I	8.46	8.53	8.08	8.21
श्रेणी-II	3.54	4.44	3.81	4.69
पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%) (बेसल-II)	13.39	14.25	13.49	14.17
श्रेणी-I	9.45	9.38	9.28	9.03
श्रेणी-II	3.94	4.87	4.21	5.14
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियाँ (%)	1.72	1.79	1.57	1.49

Operating Expenses

There was an increase of 30.85% in the Staff Cost from Rs.9,747.31 crores in 2008-09 to Rs.12,754.65 crores in 2009-10 attributable to higher pension provisioning and increased staff strength. Staff Cost included an amount of Rs.1,997 crores towards additional pension provision and Rs.2,559 crores towards wage revision provisions as compared to Rs.1,469 crores and Rs.1,414 crores respectively in the previous years.

Other Operating Expenses have also registered an increase of 28.35% mainly due to increase in expenses on rent, taxes and lighting, depreciation on the Bank's properties, law charges, postage and telephones, repairs & maintenance to the Bank's properties, insurance and miscellaneous expenditure.

Operating Expenses, comprising both staff cost and other operating expenses, have registered an increase of 29.84% over the previous year.

Provisions and Contingencies

Major amounts of provisions made in 2009-10 were as under:

- Rs.987.99 crores towards write-back for depreciation on investments, excluding amortization of premium on 'Held to Maturity' category (as against provision of Rs.707.17 crores in 2008-09).
- Rs.6,166.62 crores towards Provision for Tax, excluding deferred tax credit of Rs.1,407.75 crores (as against Rs.5,971.52 crores in 2008-09 excluding deferred tax credit of Rs.1,055.10 crores).
- Rs.5,147.86 crores (net of write-back) for non-performing assets (as against Rs.2,474.96 crores in 2008-09).
- Rs.80.06 crores towards Standard Assets (as against Rs.234.82 crores in 2008-09). Including the current year's provision, the total provision held on Standard Assets (domestic offices) amounts to Rs.2,292.72 crores.

Reserves and Surplus

- An amount of Rs.6,381.09 crores (as against Rs.5,291.79 crores in 2008-09) was transferred to Statutory Reserves.
- An amount of Rs.114.05 crores (as against Rs.826.55 crores in 2008-09) was transferred to Capital Reserve Fund.
- An amount of Rs.529.51 crores (as against Rs.306.89 crores in 2008-09) was transferred to other Reserve Funds.

Table: 1 Key Performance Indicators

Indicators	SBI		SBI Group	
	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
Return on Average Assets (%)	0.88	1.04	0.88	0.94
Return on Equity (%)	14.84	15.07	14.55	16.30
Expenses to Income (%)(Operating Expenses to Total Net Income)	52.59	46.62	63.10	52.65
Basic Earnings Per Share (Rs.)	144.37	143.77	184.82	172.68
Diluted Earnings Per Share (Rs.)	144.37	143.77	184.82	172.68
Capital Adequacy Ratio (%) (Basel-I)	12.00	12.97	11.89	12.90
Tier I	8.46	8.53	8.08	8.21
Tier II	3.54	4.44	3.81	4.69
Capital Adequacy Ratio (%) (Basel-II)	13.39	14.25	13.49	14.17
Tier I	9.45	9.38	9.28	9.03
Tier II	3.94	4.87	4.21	5.14
Net NPAs to Net Advances (%)	1.72	1.79	1.57	1.49

परिसंपत्तियाँ

बैंक की कुल परिसंपत्तियों में 9.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ये मार्च 2010 के अंत तक बढ़कर रु. 10,53,413.73 करोड़ हो गई, जबकि मार्च 2009 के अंत में ये रु. 9,64,432.08 करोड़ थीं। इसी अवधि के दौरान, ऋण संविभाग में 16.48 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इनकी राशि रु. 5,42,503.20 करोड़ से बढ़कर रु. 6,31,914.15 करोड़ हो गई। मार्च 2010 के अंत में निवेशों में 3.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इनकी राशि रु.2,75,953.96 करोड़ से बढ़कर रु. 2,85,790.07 करोड़ हो गई। अधिकांश निवेश घरेलू बाजार में सरकारी एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में किया गया। देशीय अग्रिमों में बैंक का बाजार अंश मार्च 2010 के अंत तक 16.28 प्रतिशत रहा।

देयताएँ

बैंक की कुल देयताएँ (पूँजी एवं आरक्षितियों को छोड़कर) 8.93 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 31 मार्च 2010 को रु. 9,87,464.53 करोड़ हो गई, जबकि 31 मार्च 2009 को ये रु. 9,06,484.38 करोड़ थीं। देयताओं में यह वृद्धि प्रमुख रूप से जमाराशियों और अन्य देयताओं एवं प्रावधानों में वृद्धि के कारण हुई। 31 मार्च 2010 को वैश्विक जमाराशियों में 31 मार्च 2009 की तुलना में 8.36 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ये रु. 8,04,116.23 करोड़ के स्तर तक पहुँच गई। जमाराशियों में बैंक का बाजार अंश मार्च 2010 को 16.31 प्रतिशत रहा।

निष्पादन के उल्लेखनीय तथ्य

	प्रमुख व्यवसाय इकाइयां
क	वैश्विक बाजार विभाग
ख	कारपोरेट बैंकिंग समूह
ग	मध्य कारपोरेट समूह
घ	राष्ट्रीय बैंकिंग समूह
ङ	ग्रामीण व्यवसाय समूह
च	विपणन - प्रति विक्रय विभाग
छ	कारपोरेट कार्यनीतियाँ और नव व्यवसाय
ज	अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह
झ	सहयोगी और अनुषंगियाँ
ञ	आस्ति गुणवत्ता
ट	सूचना प्रौद्योगिकी

क. ग्लोबल मार्केट्स विभाग

कारपोरेट केंद्र स्थित ग्लोबल मार्केट्स विभाग सभी समय क्षेत्रों में बैंक के ट्रेजरी कारोबार का संचालन करता है जिसके अंतर्गत विभिन्न बाजारों जैसे फॉरेक्स, ब्याज-दर, बुलियन, ईक्विटी और वैकल्पिक आस्तियों आदि से संबंधित गतिविधियाँ आती हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक का वर्ष भर सस्ती मुद्रा उपलब्ध कराने पर बल रहा। भारतीय रिज़र्व बैंक के इस प्रयास के कारण वित्त वर्ष 2009-10 की प्रारंभिक अवधि के दौरान प्रतिफल नरम रहे। फिर भी, आर्थिक विकास दर बनाए रखने में सहायता करने के लिए सरकार ने अधिक मात्रा में ऋण लेना जारी रखा जिससे प्रतिफल बढ़ाने के प्रयासों को बल मिला। मुद्रास्फीति की कम दर में भी वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विशेष रूप से वृद्धि होनी शुरू हो गई। मुद्रास्फीति के और बढ़ने की उम्मीदों को देखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपनी नीति में बदलाव कर जनवरी 2010 में सीआरआर में 75 आधार अंकों और मार्च 2010 के दौरान रेपो तथा रिवर्स रेपो दरों में 25-25 आधार अंकों की वृद्धि की। इन कारणों से वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विशेष रूप से प्रतिफल बढ़ने लगे। वित्त वर्ष के दौरान 10 वर्षीय आधारिक प्रतिफल वाले बांडों से प्रतिफल-प्राप्ति 6.10 प्रतिशत से 8.01 प्रतिशत के बीच रही। बैंक ने अपने निवेशों पर ब्याज/बट्टे के रूप में रु. 18,108 करोड़ अर्जित किए और निवेशों पर बिक्री और फॉरेक्स/सोने की खरीद-फरोख्त से हुई आय में रु. 2,695 करोड़ का लाभ कमाया। देशी ट्रेजरी परिचालनों से वर्ष में औसत प्रतिफल 7.56 प्रतिशत रहा।

ख. कारपोरेट बैंकिंग समूह

ख.1 बैंक का कारपोरेट बैंकिंग समूह तीन कार्यनीतिक व्यवसाय इकाइयों से मिलकर बना है, जिनके नाम हैं - कारपोरेट लेखा समूह, परियोजना वित्तपोषण एवं लीजिंग एसबीयू और तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह।

ख.2 कारपोरेट लेखा समूह (कैग) की निम्नलिखित केंद्रों पर छह शाखाएं हैं; मुंबई, नई दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद और हैदराबाद। हैदराबाद शाखा वर्तमान वर्ष के दौरान खोली गई। ये छह शाखाएं 735 कारपोरेट ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। वर्ष के दौरान 59 नए कारपोरेट ग्राहकों को कारपोरेट लेखा समूह (कैग) में लाया गया और मध्य कारपोरेट समूह के 71 ग्राहक कारपोरेट लेखा समूह में आ गए।

- कारपोरेट लेखा समूह के रु. 88,144 करोड़ के अग्रिमों का बैंक के वाणिज्यिक और संस्थागत (खाद्यान्नेतर) अग्रिमों में 32 प्रतिशत और कुल देशी ऋणों में 16 प्रतिशत हिस्सा है।

Assets

The total assets of the Bank increased by 9.23% from Rs.9,64,432.08 crores at the end of March 2009 to Rs.10,53,413.73 crores as at end March 2010. During the period, the loan portfolio increased by 16.48% from Rs.5,42,503.20 crores to Rs.6,31,914.15 crores. Investments increased by 3.56% from Rs.2,75,953.96 crores to Rs.2,85,790.07 crores as at the end of March 2010. A major portion of the investment was in the domestic market in government and other approved securities. The Bank's market share in domestic advances was 16.28% as of March 2010.

Liabilities

The Bank's aggregate liabilities (excluding capital and reserves) rose by 8.93% from Rs.9,06,484.38 crores on 31st March 2009 to Rs.9,87,464.53 crores on 31st March 2010. The increase in liabilities was mainly contributed by increase in deposits and borrowings. The Global deposits stood at Rs.8,04,116.23 crores as on 31st March 2010, representing an increase of 8.36% over the level on 31st March 2009. The Bank's market share in deposits was 16.31% as of March 2010.

Performance Highlights

Core Operations	
A	Global Markets Department
B	Corporate Banking Group
C	Mid-Corporate Group
D	National Banking Group
E	Rural Business Group
F	Marketing - Cross Selling Department
G	Corporate Strategy & New Businesses
H	International Banking Group
I	Associates & Subsidiaries
J	Asset Quality
K	Information Technology

A. GLOBAL MARKETS DEPARTMENT

Global Markets Department at the Corporate Centre handles the Bank's Domestic Treasury Operations across all time zones and covers activities in various markets i.e. Forex, Interest Rates, Bullion, Equity and Alternative Assets, etc.

RBI continued with its easy monetary stance throughout the year. Yields softened during the initial part of the financial year. However, to support the economic growth, the Government borrowing continued at elevated levels which put upward pressure on the yields. Inflation, which was at subdued levels, started moving up in the second half of the financial year. To contain inflationary expectations, RBI also shifted its stance and hiked CRR by 75 bps in January 2010 and Repo and Reverse Repo rates by 25 bps during March 2010. Yields hardened in the second half of the financial year. The 10 year benchmark yield moved in the range of 6.10% to 8.01% during the financial year. The Bank earned Rs.18,108 crores by way of Interest / Discount on our investments and made Rs.2,695 crores of profit on sale of Investments and Forex / Gold trading Income. Average yield on Domestic Treasury Operations for the year was 7.56%.

B. CORPORATE BANKING GROUP

B.1 The Bank's Corporate Banking Group consists of three Strategic Business Units viz., Corporate Accounts Group, Project Finance & Leasing SBU and Stressed Assets Management Group.

B.2 Corporate Accounts Group (CAG)

Corporate Accounts Group has six branches at the following centers; Mumbai, New Delhi, Chennai, Kolkata, Ahmedabad and Hyderabad. Hyderabad Branch was opened during the current year. These six branches cater to 735 corporate clients. During the year, 59 new corporate clients were brought into the CAG fold and 71 clients migrated from MCG.

- CAG's advances portfolio of Rs.88,144 crores is 32% of the C&I (Non-Food) credit of the Bank and constitutes 16% of the total domestic credit portfolio of the Bank.